आर. एन. आई. नं. UPHIN/2010/32566 डाक. पंजीयन. संख्या– SSP/LW/NP-311

अद्भुत समाचार

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी साप्ताहिक

हर ख़बर पर पैनी नज़र

वर्ष : 17 अंक : 06 लखनऊ, गुरूवार 14 मई 2026 सा 20 मई 2026 तक पृष्ठ–8 मूल्य : एक रूपया

मेडिकल में दाखिले की परीक्षा रद्द

नई दिल्ली। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय और प्रतियोगिता परीक्षाएं आयोजित करने के लिए बनाई गई राष्ट्रीय एजेंसी एनटीए की विफलता एक बार फिर सामने आई है। पेपर लीक के विवाद के चलते मेडिकल में दाखिले के लिए तीन मई को हुई नीट की परीक्षा रद्द करनी पड़ी है। शिक्षा मंत्रालय की मंजूरी मिलने के बाद नेशनल टेस्टिंग एजेंसी यानी एनटीए ने मंगलवार को नीट यूजी २०२६ परीक्षा रद्द कर दी। तीन साल में दूसरी बार नीट यूजी का पेपर लीक हुआ है। २०२४ की परीक्षा में भी पेपर लीक हुआ था लेकिन तब पूरी परीक्षा नहीं रद्द की गई थी। बहरहाल, तीन मई को हुई परीक्षा में २२.७६ लाख छात्र शामिल हुए थे। पेपर लीक और दूसरी गड़बड़ियों को रोकने में नाकाम साबित हो रही एनटीए के महानिदेशक यानी डीजी अभिषेक सिंह ने कहा है, 'इस गड़बड़ी के लिए हम जिम्मेदार हैं। परीक्षा दोबारा कराई जाएगी। छह से आठ दिन में नई तारीख का ऐलान होगा'। इस बीच केंद्र सरकार ने इस मामले की जांच सीबीआई को सौंप दी है। सीबीआई ने पेपर लीक मामले में एफआईआर दर्ज की है। एनटीए के डीजी ने गडबड़ी के लिए एजेंसी की जिम्मेदारी स्वीकार की है लेकिन मंगलवार को दिल्ली में मीडिया ने शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से इस मामले में सवाल पूछा तो वे बिना कुछ बोले निकल गए। बहरहाल, इस साल नीट का पेपर 'क्वेश्चन बैंक' के जरिए लीक किया गया। इसमें फिजिक्स, केमिस्ट्री और बायोल जी के तीन सौ से ज्यादा सवाल थे।

ये सभी हाथ से लिखे गए थे और इनकी लिखावट भी एक ही थी। एजेंसी पता लगाने में जुटी है कि पेपर कहां से लीक हुआ। लेकिन यह पता है कि यह मामला राजस्थान के सीकर में सामने आया। बताया जा रहा है कि केरल के एक मेडिकल की पढ़ाई कर रहे राजस्थान के ही एक छात्र ने अपने दोस्त को इसे भेजा था। दोस्त ने 'क्वेश्चन बैंक' सीकर के एक पीजी संचालक को दिया। उसने पीजी में रहने वाले छात्रों को 'क्वेश्चन बैंक' शेयर कर दिया। इसके बाद यह बंटता चला गया। परीक्षा के बाद पता चला कि इन तीन सौ सवालों में से डेढ़ सौ सवाल हूबहू नीट के पेपर में आ गए। एनटीए ने बताया है कि परीक्षा के चार दिन बाद यानी सात मई को से इन गड़बड़ियों के बारे में जानकारी मिली थी। यह मामला पहले राजस्थान और फिर उत्तराखंड से सामने आया। एनटीए ने मामले की जांच सीबीआई को सौंपी उससे पहले राजस्थान पुलिस स्पेशल अ परेशन ग्रुप यानी एसओजी ने इसकी जांच की। उसने इस सिलसिले में १३ लोगों को गिरफ्तार किया है। हालांकि अब तक यह पता नहीं चल पाया है कि कथित 'क्वेश्चन बैंक' कितने छात्रों तक पहुंचा, लेकिन यह संख्या बहुत बड़ी होने की आशंका है। बताया जा रहा है कि जिन लोगों को ये व ट्सएप पर यह मिला, उसमें मैसेज के साथ 'फॉरवर्डेड मेनी टाइम्स' लिखा आ रहा है। इसका मतलब है कि यह बहुत बार फ रवर्ड किया गया। यह भी कहा जा रहा है कि पेपर लीक के तार केरल, राजस्थान, महाराष्ट्र से भी जुड़े हैं। नासिक पुलिस ने बताया कि नीट पेपर लीक मामले में वहां भी एक युवक को हिरासत में लिया गया है।

पीएम मोदी की अपील का असरः यूपी विधानसभा ने रद्द कीं संसदीय समितियों की सभी अध्ययन यात्राएं

लखनऊ। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच लोगों से खर्चों में कटौती की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अपील के मद्देनजर उत्तर प्रदेश विधानसभा ने बुधवार को अपनी विभिन्न संसदीय समितियों की सभी पूर्व–निर्धारित अध्ययन यात्राएं अगले आदेश तक स्थगित कर दी हैं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी विधानसभा सचिवालय की ओर से जारी एक बयान के अनुसार, राष्ट्रीय हित और मौजूदा परिस्थितियों को देखते हुए सभी अध्ययन यात्रा कार्यक्रमों पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी गई है। उत्तर प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना के निर्देश पर यह निर्णय लिया गया। सतीश महाना ने कहा, श्प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अपील का सम्मान करते हुए, विधानसभा ने संसदीय समितियों की अध्ययन यात्राएं

स्थगित करने का निर्णय लिया है ताकि सभी संसाधनों और व्यवस्थाओं का उपयोग राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के अनुसार उचित रूप से किया जा सके।' उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों और संस्थाओं की यह जिम्मेदारी है कि वे राष्ट्रीय हित में किए गए हर आह्वान में भाग लें और परिस्थितियों के अनुसार संवेदनशीलता व जिम्मेदारी दिखाएं। अधिकारियों ने बताया कि विधानसभा सचिवालय के प्रधान सचिव प्रदीप कुमार दुबे की ओर से जारी आदेश तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है। प्रधानमंत्री मोदी ने १० मई को राष्ट्रीय स्तर पर खर्चों में कटौती की अपील की थी। उन्होंने पश्चिम एशिया संकट से उत्पन्न आर्थिक दबाव के कारण लोगों से ईंधन की खपत कम करने, सोने की खरीद और विदेश यात्राएं टालने और घर से काम करने की व्यवस्था फिर से अपनाने का आग्रह किया था।

डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने काफिले की गाड़ियों की संख्या की आधी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की देशवासियों से पेट्रोल–डीजल के कम इस्तेमाल की अपील के मद्देनजर अपने काफिले में शामिल गाड़ियों की संख्या आधी करने का निर्देश दिया। पाठक ने यहां एक बयान में कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने देशवासियों से पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के सम्भावित

दुष्परिणामों की आशंका के मद्देनजर पेट्रोल–डीजल के कम इस्तेमाल और सार्वजनिक परिवहन के प्रयोग समेत विभिन्न उपाय अपनाने की अपील की है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि इस अपील के मद्देनजर उन्होंने खुद भी अपने काफिले में शामिल होने वाले वाहनों की संख्या आधी करने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की अपील पर उठाया जाने वाल हर छोटा कदम देशहित में बड़ा योगदान होगा।

पेपर लीक पर विपक्ष ने किया बड़ा हमला

नई दिल्ली। मेडिकल में दाखिले के लिए हुई नीट की परीक्षा रद्द होने के बाद विपक्षी पार्टियों ने सरकार पर बड़ा हमला किया है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने २२ लाख से ज्यादा छात्रों की मेहनत, त्याग और सपनों को भ्रष्ट भाजपाई व्यवस्था ने कुचल दिया। राहुल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हमला करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री का अमृतकाल देश के लिए विषकाल बन गया है। राहुल के अलावा आम आदमी पार्टी के नेता अरविंद केजरीवाल ने वीडियो बना कर सरकार पर हमला किया तो सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी सरकार को निशाना बनाया। राहुल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, 'देश के युवाओं के सामने एक गंभीर बात रखना चाहता हूं। एक काम कीजिए खुद गूगल कीजिए और देखिए की नीट २०२४ की भयंकर चोरी के दौरान एनटीए का डीजी कौन था, और मोदी सरकार ने उसे आज कहां बैठाया है'? राहुल ने आरोप लगाया कि भाजपा विद्यार्थियों के भविष्य से खिलवाड़ करने वालों को इनाम देती है, तरक्की देती है। राहुल ने कहा, 'मोदी जी और भाजपा आपके भविष्य की चोरी में साझेदार हैं। जिस बाजार में आपकी मेहनत, आपके सपने नीलाम हो रहे हैं, उसका एक ही उसूल है कि जितनी बड़ी चोरी, उतना बड़ा इनाम'। गौरतलब है कि २०२४ में नीट पेपर लीक के समय सुबोध

कुमार सिंह एनटीए के डीजी थे। उस समय वे छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रधान सचिव हैं। बहरहाल, दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के नेता ने एक वीडियो संदेश जारी करके कहा कि पेपर लीक मामलों में राजनीतिक संरक्षण है और पिछले नौ साल में नीट का पेपर चार बार लीक हुआ, लेकिन किसी भी आरोपी को सजा नहीं मिली। उन्होंने कहा कि पेपर लीक यूं ही नहीं होता, इसमें ऊपर तक के लोगों की मिलीभगत होती है।

सम्पादकीय

ट्रंप की बीजिंग यात्राः उम्मीदें कम, चुनौतियों का अंबार

अमेरिकी राष्ट्रपति की आज से शुरू हो रही बीजिंग यात्रा की पुष्टि चीन ने सोमवार को जाकर की, जबकि डॉनल्ड ट्रंप इसको लेकर महीनों से सार्वजनिक रूप से उत्साह जताते रहे हैं। यात्रा के कार्यक्रम की औपचारिक घोषणा के साथ ही बताया कि चीन के राष्ट्रपति से ट्रंप की वार्ता का एजेंडा तय करने के लिए १२–१३ मई को दक्षिण कोरिया के में दोनों के देशों के वरिष्ठ नेता बातचीत करेंगे। ये दोनों तथ्य अमेरिका और चीन के बीच मौजूद खाई के प्रमाण हैं। अतः नौ साल बाद अमेरिकी राष्ट्रपति चीन पहुंच जरूर रहे हैं, लेकिन इस दौरान चीन से संबंध में कोई खास प्रगति होगी, इसकी संभावना कम ही है। ट्रंप फिलहाल चीन से तनाव घटाना चाहते हैं, ताकि चीन केंद्रित आपूर्ति शृंखला पर जिन महत्त्वपूर्ण क्षेत्रों में अमेरिका निर्भर है, उनमें उसकी तैयारियों पर विपरीत प्रभाव ना पड़े। साथ ही वे अमेरिका के कृषि एवं अन्य उत्पादों के लिए चीनी बाजार को और खुलवाना चाहते हैं। अमेरिका की शिकायत है कि पिछले अक्टूबर में दक्षिण कोरिया के बुसान में हुई मुलाकात के दौरान शी जिनपिंग ने सोयाबीन सहित कृषि उत्पादों की जितनी खरीद का वादा किया, चीन ने उसे नहीं निभाया। उधर ट्रंप की यात्रा से चीन की अपेक्षाएं अलग हैं। उसकी पहली मांग है कि ट्रंप ताइवान की आजादी का समर्थन ना करने का एलान करें। फिर चीन के ऊर्जा स्रोतों को बाधित करने, हाई टेक में चीनी कंपनियों पर प्रतिबंध और भू–राजनीतिक संबंधी दबावों के मुद्दे से संबंधित मुद्दे शी की निगाह में अहम हैं। इसके अलावा ईरान युद्ध से पैदा हुए हालात हैं, जिनमें अमेरिका और चीन दो अलग धुरियों पर खड़े हैं। गुरुवार को होने वाली शिखर वार्ता में ट्रंप और शी इन सारी खाइयों को पाट सकेंगे, इसका भरोसा किसी को नहीं है। इसलिए तनाव अनियंत्रित ना हो और मतभेद टकराव में ना बदलें, दोनों राष्ट्रपति इतनी उम्मीद भी जगा पाए, तो ट्रंप की यात्रा सफल मानी जाएगी। वैसे, अपने स्वभाव के मुताबिक ट्रंप का ध्यान अपनी जीत दिखाने वाली कुछ दिखावटी उपलब्धियों पर भी रहेगा, जिसे प्रदान करने में चीन को शायद ज्यादा दिक्कत नहीं होगी।

अखिलेश के भाई और भाजपा नेता अपर्णा के पति प्रतीक यादव का निधन

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के संस्थापक मुलायम सिंह यादव के बेटे और भाजपा नेता अपर्णा यादव के पति प्रतीक यादव का बुधवार सुबह निधन हो गया। प्रतीक यादव ने लखनऊ के सिविल अस्पताल में आखिरी सांस ली। ३८ वर्षीय प्रतीक यादव को इलाज के लिए लखनऊ के सिविल अस्पताल ले जाया गया

था। प्रतीक को उनके घर वाले अस्पताल लेकर पहुंचे थे। वहां इलाज के दौरान ही प्रतीक यादव का निधन हो गया। फिलहाल, प्रतीक यादव के शव को पोस्टम र्टम के लिए भेज दिया गया है। प्रतीक के पार्थिव शरीर को एक एंबुलेंस में ले जाते हुए देखा गया। हालांकि, उनकी मृत्यु का कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है। परिवार की ओर से भी कोई औपचारिक पुष्टि सामने नहीं की गई है। वहीं, प्रतीक यादव के निधन पर केंद्रीय राज्य मंत्री और उत्तर प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष पंकज सिंह ने शोक व्यक्त किया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफ र्म 'एक्स' पर पोस्ट किया, "मुलायम सिंह यादव के पुत्र व उत्तर प्रदेश महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव के पति प्रतीक यादव के निधन का समाचार अत्यंत दुखद है। इस कठिन समय में मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिवार के साथ हैं। ईश्वर दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें व परिवार को इस अपार दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें। प्रतीक यादव मुलायम सिंह यादव और उनकी दूसरी पत्नी साधना गुप्ता के बेटे थे, जबकि अखिलेश यादव के सौतेले भाई थे। प्रतीक बिजनेस और फिटनेस सेक्टर से जुड़े थे। उन्होंने लीड्स यूनिवर्सिटी लंदन से एमबीए की डिग्री हासिल की थी। वे आम तौर पर सक्रिय राजनीति से दूर रहे। प्रतीक ने अब तक कोई चुनाव नहीं लड़ा और न समाजवादी पार्टी में कोई बड़ा पद संभाला था। उनकी पत्नी अपर्णा यादव भाजपा नेता हैं। अपर्णा वर्तमान में उत्तर प्रदेश महिला आयोग की उपाध्यक्ष हैं। उन्होंने २०२२ में भाजपा का दामन थामा था। प्रतीक यादव से उनकी शादी २०११ में हुई थी। हालांकि, कुछ दिनों पहले प्रतीक और अपर्णा के रिश्तों में तनाव देखा गया।

कक्षा में बच्चे हैं पर शिक्षा अनुपस्थित!

सतीश झा

२०२२ में भारत की शिक्षा हालात सालाना रिपोर्ट (**ASER**) ने एक ऐसी सच्चाई उजागर की है, जिसे सुनते ही देश को एक शैक्षिक आपातकाल की तरह लेना चाहिए। रिपोर्ट बताती है कि पाँचवीं कक्षा के आधे से अधिक बच्चे दूसरी कक्षा का भी पाठ ठीक से नहीं पढ़ सकते और लगभग दो–तिहाई बच्चे साधारण भाग (**division**) तक नहीं कर पाते। ये वे बच्चे नहीं थे जो स्कूल से बाहर थे। ये वे बच्चे थे जो पाँच साल से कक्षा में बैठ रहे थे, उपस्थिति दर्ज करा रहे थे, और फिर भी सीखने के स्तर पर लगभग शून्य के आसपास थे। यह कोई अपवाद नहीं था। **ASER** २००५ से लगातार यही संकेत मिल रहा है। फर्क केवल इतना है कि अब राज्य ने पहली बार इससे आँखें फेरना बंद किया। सरकारी भाषा में, विशेषकर नीति आयोग की रिपोर्ट में, एक सावधान–सी स्वीकारोक्ति दिखाई देती हैं "पहुँच" और "शिक्षा" एक नहीं हैं। यह स्वीकारोक्ति देर से आया हुआ सत्य है। और ठीक इसी कारण यह उपलब्धि भी है और अभियोग भी। भारत ने इतिहास की सबसे बड़ी शिक्षा–व्यवस्था खड़ी की हुई है, लेकिन भीतर से यह संरचना खाली याकि खोखा है। यह व्यवस्था एक उत्तर–औपनिवेशिक विचार पर बनी थीं जिसका उद्देश्य गलत नहीं था, लेकिन निष्पादन गहराई से त्रुटिपूर्ण रहा। मान लिया गया

कि असली समस्या शिक्षा से वंचित रह जाना है। इसलिए समाधान भी सरल माना गयोंस्कूल बनाइए, उपस्थिति सुनिश्चित कीजिए, मिड–डे मील दीजिए, और "लोकतांत्रिक लाभांश" अपने आप आएगा। इस सोच के तहत भारत ने असाधारण पैमाने पर काम किया। लगभग १५ लाख स्कूल बने, और लगभग २५ करोड़ बच्चे नामांकित हुए। आज अधिकांश गाँवों में स्कूल पैदल दूरी पर हैं। दृश्यता के स्तर पर यह एक बड़ी सफलता है। लेकिन इसी सोच में एक मौलिक त्रुटि छिपी थींयह मान लेना कि कक्षा में बैठा बच्चा स्वाभाविक रूप से सीख रहा है। इस धारणा को कभी गंभीरता से परखा नहीं गयाय इसे व्यवस्था में स्थायी सत्य की तरह शामिल कर दिया गया। हर नया स्कूल एक उद्घाटन बन गया, हर नामांकन संख्या एक रिपोर्ट। इमारतें दिखाई देने लगीं, आँकड़े प्रकाशित होने लगे, और दृश्यता राजनीतिक पूँजी में बदल गई। लेकिन सीखनोंजो सबसे कठिन, सबसे धीमा और सबसे कम दृश्य परिणाम देने वाली प्रक्रिया हैं लगभग अदश्य रह गया। नतीजा एक ऐसी व्यवस्था के रूप में सामने आया है जिसे "शिक्षा का पोटेमकिन गाँव" कहा जा सकता हैंबाहर से पूर्ण, भीतर से खोखला। २००६ में

PISA परीक्षण ने इस वास्तविकता को और स्पष्ट कर दिया था। भारतीय छात्र लगभग सभी देशों के नीचे के स्तरों पर रहे। परिणाम इतना असहज था कि भारत ने आगे की रैंकिंग में भाग लेना ही बंद कर दिया। बाद में विश्व बैंक के **Human Capital IndeX** में भारत १७४ देशों में ११६वें स्थान पर दिखाई दिया। हमने असफल होना बंद नहीं कियाय हमने उसे मापना बंद कर दिया। इस स्थिति को समझने के लिए "प्रमाण–पत्र जाल" (**Credentialism Trap**) महत्वपूर्ण है। ग्रामीण भारत में शिक्षा का प्रमाणपत्र अक्सर कौशल का संकेत नहीं, बल्कि सरकारी नौकरी की उम्मीद का प्रतीक बन गया है। इसने पूरे ढांचे को एक अलग दिशा दे दी। २००६ का **Right to Education Act** इस दिशा में निर्णायक था। कक्षा ८ तक किसी बच्चे को रोका नहीं जा सकतों यह प्रावधान सीखने की न्यूनतम जवाबदेही को ही कमजोर कर देता है। शिक्षक पर परिणाम का दबाव घट गया, और विद्यालयों पर वास्तविक सीखने का दायित्व अस्पष्ट हो गया। इसका परिणाम यह हुआ कि पूरी व्यवस्था "उपस्थिति" के उत्पादन पर केंद्रित हो गई, "सीखने" पर नहीं। बच्चा स्कूल में हैंयह पर्याप्त माना जाने लगा, चाहे वह कुछ भी सीख रहा हो या नहीं। यह साधारण भ्रष्टाचार नहीं है। यह एक नीति–तर्क है जो कागज पर ठीक दिखता है, लेकिन व्यवहार में राष्ट्र की सीखने की क्षमता को खोखला करता है। इस विफलता का प्रभाव केवल शिक्षा तक सीमित नहीं है। यह सीधे भारत की जनसांख्यिकीय संरचना से जुड़ता है। देश की औसत आयु लगभग २८ वर्ष हैं जिसे "डेमोग्राफिक डिविडेंड" कहा जाता है। लेकिन लाभांश अपने आप नहीं आता। वह केवल तब मूल्यवान होता है जब मानव पूँजी मजबूत हो। यदि बड़ी आबादी बुनियादी समझ, विश्लेषण और अनुकूलन क्षमता से वंचित हो, तो यह लाभांश नहीं, एक दीर्घकालिक बोझ बन जाता है। चीन ने १९९० के दशक में इस खतरे को गंभीरता से लिया। कठोर तरीकों के बावजूद, उसने सीखने के स्तर को सुधारने पर जोर दियोंराष्ट्रीय मूल्यांकन, शिक्षक जवाबदेही और मानकीत परिणामों के माध्यम से। वियतनाम ने भी यही किया। उसने यह राजनीतिक निर्णय लिया कि सफलता नामांकन से नहीं, सीखने के परिणामों से मापी जाएगी। भारत ने अभी तक यह निर्णायक परिवर्तन नहीं किया है। आज हमारी अर्थव्यवस्था एक "सेवा–आधारित" मॉडल पर निर्भर है, जिसमें केवल एक छोटा, अत्यधिक प्रशिक्षित वर्ग आगे बढ़ता है। बाकी बड़ी आबादी उस दुनिया में प्रवेश कर रही है, जहाँ रूटीन काम भी स्वचालित हो रहे हैं। नीति रिपोर्ट की रिपोर्ट का महत्व इस बात में है कि वह समस्या को स्पष्ट रूप से पहचानती हैं विशेषकर "**Foundational Literacy and Numeracy**" पर जोर। लेकिन समस्या की पहचान और उसका समाधान एक नहीं होते। यदि प्रणाली की मूल प्रेरणा नहीं बदली, तो केवल प्रशिक्षण या तकनीक पर्याप्त नहीं होंगे। इसलिए तीन स्तरों पर बदलाव आवश्यक हैं पहलाः जवाबदेही का विकेंद्रीकरण। शिक्षक की प्रभावशीलता का मूल्यांकन केवल ऊपर से नहीं, बल्कि स्थानीय स्तर पर भी होना चाहिए। दूसराः रटंत संस्कृति से बाहर निकलना। हमारी परीक्षा प्रणाली स्मृति को पुरस्कृत करती है, सोचने की क्षमता को नहीं। यह असंतुलन भविष्य की अर्थव्यवस्था के लिए गंभीर जोखिम है। तीसराः सीखने को मापना। नामांकन आसान है, सीखने को मापना कठिन हैं। लेकिन यही वास्तविकता है। और जो मापा नहीं जाता, वह नीति में महत्व नहीं पाता। भारत के पास शायद केवल एक पीढ़ी का समय हैं वर्तमान प्राथमिक विद्यालय के बच्चें इस अंतर को भरने के लिए। हमने कक्षा की भौतिक संरचना जीत ली है। अब चुनौती मानसिक संरचना को बदलने की है। बच्चे कक्षा में मौजूद हैं। अब प्रश्न यह हैं क्या हम उन्हें वास्तव में कुछ सीखने योग्य देंगे?

उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ लखनऊ चुनावः नगर क्षेत्र समेत ६ विकास खंडों में पदाधिकारी निर्विरोध, मोहनलालगंज- चिनहट में १५ मई को मतदान

लखनऊ। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ, लखनऊ इकाई के समस्त विकास खंडों और नगर क्षेत्र के नामांकन की प्रक्रिया संपन्न हो गई। नामांकन पत्रों की जांच के बाद नगर क्षेत्र सहित छह विकास खंडों में अध्यक्ष, मंत्री और कोषाध्यक्ष पदों पर प्रत्याशियों को निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया। वहीं मोहनलालगंज और चिनहट विकास खंडों में विभिन्न पदों पर एक से अधिक प्रत्याशी होने के कारण १५ मई २०२६ को मतदान कराया जाएगा। निर्वाचन अधिकारी द्वारा जारी जानकारी के अनुसार विकास खंड सरोजिनी नगर से अध्यक्ष पद पर धीरेंद्र कुमार, मंत्री पद पर अमित कुमार तथा कोषाध्यक्ष पद पर संगीता सिंह निर्विरोध निर्वाचित घोषित किए गए। मलिहाबाद से अध्यक्ष अवधेश कुमार, मंत्री फहीम बेग और कोषाध्यक्ष धीरज सिंह निर्विरोध चुने गए। काकोरी विकास

खंड से अध्यक्ष अजय सिंह, मंत्री सौरभ कुमार वर्मा और कोषाध्यक्ष ममता यादव निर्विरोध निर्वाचित हुए। गोसाईगंज से योगेंद्र सिंह अध्यक्ष, पृथ्वी पाल सिंह मंत्री तथा हसीन अहमद कोषाध्यक्ष चुने गए। विकास खंड माल से प्रदीप सिंह अध्यक्ष, जितेंद्र कुमार मंत्री और शकील खान कोषाध्यक्ष निर्विरोध निर्वाचित घोषित किए गए। विकास खंड बीकेटी से राधेश्याम यादव अध्यक्ष, शांति स्वरूप वर्मा मंत्री तथा खुर्शीद आलम कोषाध्यक्ष निर्विरोध निर्वाचित हुए। नगर क्षेत्र से अरुणेंद्र कुमार तिवारी अध्यक्ष, आरिफ हुसैन मंत्री और अर्चना मिश्रा कोषाध्यक्ष निर्विरोध निर्वाचित घोषित किए गए। वहीं मोहनलालगंज और चिनहट विकास खंडों में चुनावी मुकाबला दिलचस्प हो गया है। मोहनलालगंज में अध्यक्ष पद के लिए रामशंकर शुक्ला और धनेश पांडे मैदान में हैं। मंत्री पद के लिए प्रेमशंकर और विमल किशोर तथा कोषाध्यक्ष पद के लिए बृजेश कुमार और सुनील कुमार ने नामांकन दाखिल किया है। चिनहट विकास खंड में अध्यक्ष पद के लिए प्रमोद कुमार त्रिपाठी और श्रींष्ण कुमार के बीच मुकाबला होगा। मंत्री पद पर बालमुकुंद मैदान में हैं, जबकि कोषाध्यक्ष पद के लिए राहुल कुमार और निशा कुमारी ने नामांकन पत्र दाखिल किए हैं। इन दोनों विकास खंडों में १५ मई २०२६ को मतदान कराया जाएगा। नामांकन प्रक्रिया उच्च प्राथमिक विद्यालय, आलमबाग बल्दीखेड़ा, पिकैडली होटल के निकट संपन्न हुई। पूरी निर्वाचन प्रक्रिया निर्वाचन पर्यवेक्षक बृजेश पांडे, प्रांतीय मंत्री एवं जिला अध्यक्ष उन्नाव, तथा निर्वाचन अधिकारी राजेश शुक्ला, मंडलीय संगठन मंत्री लखनऊ मंडल एवं जिला अध्यक्ष रायबरेली की देखरेख में संपन्न कराई गई। इस अवसर पर उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ लखनऊ के जिला अध्यक्ष सुधांशु मोहन, जिला मंत्री वीरेंद्र सिंह और जिला कोषाध्यक्ष फहीम बेग सहित बड़ी संख्या में शिक्षक उपस्थित रहे। चुनाव प्रक्रिया शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न होने पर संगठन पदाधिकारियों ने संतोष व्यक्त किया।

मंच पर उतरीं ईशा-मीशा, अंजुल-पीयूष व गोविंद - रोशनी की जोड़ी

लखनऊ। राय उमानाथ बली प्रेक्षागृह में आज शाम बिरजू महाराज कथक संस्थान द्वारा आयोजित कथक संध्या श्रृंखला के अंतर्गत युगल नृत्यांजलि

कार्यक्रम में तीन कथक जोड़ियां मंच पर थीं। गुरु अर्जुन मिश्र व सुरभि सिंह की शिष्या द्वय रतन सिस्टर्स ईशा और मीशा रतन की जीवंत संगीत भरी प्रस्तुति का आरंभ रुद्राष्टकम से हुआ। फिर तीन ताल में पारंपरिक कथक का उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए समापन राग मेघ और तीन ताल में निबद्ध 'बादल रे अरज गरज....' बंदिश में भाव पक्ष और अभिनय को जीते हुए वातावरण को अत्यंत भावपूर्ण बना दिया। इस प्रस्तुति में तबले पर राजीव शुक्ला, सारंगी पर मनीष तथा हारमोनियम पर गायन कर रहे आरिफ ने उम्दा संगत की। पढ़ंत और मार्गदर्शन सुरभि सिंह का रहा। इससे पहले अंजुल बाजपेई एवं पीयूष पाण्डेय ने "डमरू हरकर बाजे" रचना से भगवान शिव की आराधना करते हुए परम्परागत तीनताल पर आधारित शुद्ध नृत्य का सुंदर प्रदर्शन किया। कार्यक्रम काझं समापन "बादल गरज नवघोर" रचना से किया गया। यहां लयकारी एवं भावाभिव्यक्ति विशेष आकर्षण रही। सम्पूर्ण कार्यक्रम में कलाकारों ने अपनी साधना, तालबद्धता एवं भावाभिव्यक्ति से दर्शकों का मन मोह लिया। कार्यक्रम की प्रथम प्रस्तुति गोविंद चौधरी एवं रोशनी प्रसाद द्वारा दी गई। उन्होंने "नमामी शमीशाम" स्तुति से आरंभ करते हुए भगवान शिव को समर्पित भावपूर्ण नृत्य प्रस्तुत किया। तत्पश्चात उन्होंने १५ मात्रा की जटिल पंचम सवारी ताल में अपनी तकनीकी दक्षता का परिचय दिया। समापन में "श्री राधे रानी" की प्रस्तुति के माध्यम से राधा-कृष्ण की मधुर छेड़छाड़ का सजीव एवं मनोहारी चित्रण दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर गया। कलाकारों के बीच सामंजस्य, संवाद और तालमेल ने मंच पर एक अद्वितीय सौन्दर्य का सृजन किया, जिससे दर्शको को कथक की नृत्य-शैली का एक अलग और आकर्षक आयाम देखने को मिला। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य संजय सिंह व संस्थान की अध्यक्ष डॉ. कुमकुम धर ने किया। संस्थान के उपाध्यक्ष डॉ.मिथिलेश तिवारी तथा संस्थान की सदस्य सुश्री सुरभि सिंह भी उपस्थित रहीं। मंच संचालन देवेंद्र सिंह जी द्वारा प्रभावी ढंग से किया गया।

गोमतीनगर स्थित घर पहुंचा प्रतीक यादव का शव, गमगीन माहौल में अपर्णा भी पहुंचीं

लखनऊ। सपा संस्थापक मुलायम सिंह यादव के छोटे बेटे प्रतीक यादव का शव, गोमतीनगर स्थित उनके घर पहुंच गया है। शव लेकर पहुंची एंबुलेंस के पीछे शुभचिंतक-समर्थकों की भारी भीड़ पहुंची। उधर, अपर्णा यादव भी असम से अपने घर पहुंच गई हैं। गमगीन माहौल है। कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच बाहर भारी पुलिस बल तैनात है। बुधवार की सुबह प्रतीक यादव का लखनऊ के गोमतीनगर स्थित उनके घर में निधन हो गया था। सिविल अस्पताल के डक्टरों के मुताबिक, अस्पताल पहुंचने से पहले प्रतीक की मौत हो गई थी। सुबह करीब ५ से ६ बजे के बीच उन्हें ब्रेन डेड के तौर पर अस्पताल लाया गया था। प्रतीक यादव का पोस्टमार्टम हो चुका है और उसमें मौत का कारण साफ नहीं हुआ है। उधर, पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों ने प्रतीक यादव के घर पहुंचकर जांच की। मोबाइल समेत अन्य सामान सुरक्षित किया है। इससे पहले सपा प्रमुख अखिलेश यादव केजीएमयू स्थित पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे थे। सपा समर्थकों में शोक की लहर है और सैफई से लेकर लखनऊ तक यादव परिवार से जुड़े लोग शोक में हैं।

सीबीएसई बोर्ड की परीक्षा में ६७ः अंक प्राप्त कर छात्रा ने अवध कॉलेजिएट का बढ़ाया मान

लखनऊ। राजधानी के कानपुर रोड एलडीए अवध क लेजिएट की छात्रा त्रिशनित ने सीबीएसई बोर्ड में ६७ः अंक प्राप्त कर विद्यालय एवं परिजन का नाम रोशन किया। कहते थे जहां हालात नामुमकिन है वहां त्रिशनित ने अपने हौसलों से मुमकिन लिख दिया विषम परिस्थितियों में भी टूटी कलम और अधूरे सपनों को छोड़कर त्रिशनित ने हाईस्कूल सीबीएसई की परीक्षा में ६७ः अंक के साथ अपने माता-पिता और विद्यालय का गौरव बढ़ाया। बता दें त्रिशनित के पिता एक होटल में काम करते हैं एवं माता गुरुद्वारे में सेवादार हैं। विद्यालय के प्रबंधक सर्वजीत सिंह एवं निर्देशिका जतिंदर वालिया के आर्थिक सहयोग एवं शिक्षकों के उत्साहवर्धन से छात्रा ने अपनी पढ़ाई पर ध्यान दिया एवं बेहतर परीक्षा परिणाम दिया। घर की आर्थिक स्थिति अच्छी न होने पर भी त्रिशनित ने हार नहीं

मानी और मेहनत करती रही। इसके लिए उसने अपने माता-पिता एवं विद्यालय के प्रबंधतंत्र का धन्यवाद किया।विद्यालय की प्रबंधक एवं निर्देशिका ने उसके उज्जवल भविष्य की कामना की।

शौर्य प्रताप सिंह ने रचा इतिहास, १०वीं बोर्ड परीक्षा में ९८ः अंक हासिल कर स्कूल में प्रथम स्थान पाया

लखनऊ। शौर्य प्रताप सिंह ने अपनी मेहनत, लगन और उत्कृष्ट प्रदर्शन से बड़ी सफलता हासिल

करते हुए १०वीं कक्षा की परीक्षा में ९८ प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं। इस शानदार उपलब्धि के साथ उन्होंने **Seth M-R- Jaipuria School** में प्रथम स्थान प्राप्त कर विद्यालय और परिवार का नाम रोशन किया है। शौर्य की इस उपलब्धि से स्कूल में खुशी का माहौल है। विद्यालय प्रबंधन, शिक्षकों और सहपाठियों ने उन्हें बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। शौर्य प्रताप सिंह ने अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता, गुरुजनों और नियमित अध्ययन को दिया। उन्होंने कहा कि निरंतर मेहनत, अनुशासन और आत्मविश्वास से किसी भी लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है। विद्यालय प्रशासन ने कहा कि शौर्य जैसे प्रतिभाशाली छात्र अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा हैं। उनकी यह सफलता आने वाली पीढ़ी को मेहनत और समर्पण का संदेश देती है।

सीबीएसई बोर्ड : 12वीं में 85.20 प्रतिशत छात्र पास

नई दिल्ली। सीबीएसई १२वीं की बोर्ड परीक्षा में उपस्थित हुए छात्रों के लिए एक अच्छी खबर सामने आई है। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने बुधवार को इंटरमीडिएट (१२वीं) बोर्ड की परीक्षाओं के परिणाम घोषित कर दिए हैं। ऐसे में जो छात्र–छात्राएं बोर्ड परिणाम जारी का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे, वे अब बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट के अलावा डिजील कर पोर्टल और उमंग ऐप पर भी जाकर अपना रिजल्ट चेक करने के साथ स्कोरकार्ड डाउनलोड कर सकते हैं। सीबीएसई की ओर से जारी नतीजों के मुताबिक, इस वर्ष परीक्षा में कुल ८५.२० प्रतिशत छात्र उत्तीर्ण हुए हैं, जिसमें लड़कियों ने एक बार फिर बाजी मारते हुए लड़कों से बेहतर प्रदर्शन किया है। सीबीएसई १२वीं बोर्ड की परीक्षा में लड़कियों का कुल पास प्रतिशत ८८.८६ फीसदी और लड़कों का ८२.१३ फीसदी दर्ज किया गया है। सीबीएसई १२वीं रिजल्ट में

६४,०२८ छात्रों ने ६० प्रतिशत और उससे अधिक अंक प्राप्त किए हैं जबकि १७,११३ छात्रों ने ६५ फीसदी से अधिक अंक प्राप्त किए हैं। सीबीएसई १२वीं बोर्ड का परिणाम चेक करने के लिए उम्मीदवार सबसे पहले बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट पर जाएं। होमपेज पर जाने के बाद 'सीनियर स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा (कक्षा १२) परिणाम २०२६' लिंक पर क्लिक करें। इसके बाद एक नया पेज खुलेगाय वहां अपना रोल नंबर, स्कूल नंबर, और एडमिट कार्ड आईडी दर्ज करें। फिर परिणाम आपके स्क्रीन पर खुल जाएगा। रिजल्ट को चेक करने के बाद मार्कशीट डाउनलोड कर लें। भविष्य के लिए मार्कशीट का प्रिंट आउट सुरक्षित निकाल कर रख लें। बता दें कि इस वर्ष सीबीएसई की ओर से १२वीं बोर्ड की परीक्षाएं १७ फरवरी से ६ अप्रैल के बीच आयोजित की गई थीं। वहीं, कंपार्टमेंट वाले छात्रों के लिए सप्लीमेंट्री परीक्षा १५ जुलाई को केवल एक दिन आयोजित की जाएगी। इसके लिए एलओसी (उम्मीदवारों की सूची) जमा करने की प्रक्रिया २ जून से अ नलाइन माध्यम से शुरू हो जाएगी।

समय से पहले दस्तक दे सकता है मानसून

नई दिल्ली। इस साल दक्षिण पश्चिमी मानसून सामान्य से थोड़ा कम रहने की संभावना है लेकिन अच्छी खबर यह है कि ये समय से थोड़ा पहले दस्तक दे सकता है।

मौसम विभाग के मुताबिक इस साल मानसून तय समय से चार दिन पहले आ सकता है। आमतौर पर केरल में मानसून एक जून तक पहुंचता है, लेकिन इस बार २५ से २७ मई के बीच केरल तट पर पहुंचने की संभावना है। मौसम विभाग ने यह भी बताया है कि कुछ राज्यों में अगले कुछ दिन में बारिश हो सकती है। उसके मुताबिक बंगाल की खाड़ी के दक्षिण पश्चिम हिस्से में एक सिस्टम बन गया है, जो अगले ४८ घंटे में और मजबूत हो सकता है। इससे दक्षिण भारत के कई राज्यों में बारिश बढ़ेगी। यह सिस्टम मानसून को तेजी से आगे बढ़ा रहा है। उत्तर प्रदेश, बिहार और झारखंड सहित पांच राज्यों में मंगलवार को आंधी और बारिश का अलर्ट था। कई इलाकों में अच्छी बारिश हुई है। उत्तराखंड के कई जिलों में बारिश हुई है। इससे पहले हिमाचल प्रदेश के कुल्लू में आंधी, तूफान और बारिश से कई घरों की छत उड़ गई। दूसरी ओर राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश में हीटवेव जारी है। बंगाल की खाड़ी में बन रहे सिस्टम की वजह से दक्षिण भारत और पूर्वोत्तर के कई राज्यों में भी बारिश का दौर जारी रह सकता है। केरल, तमिलनाडु और कर्नाटक में १४ से १७ मई के बीच भारी बारिश हो सकती है। वहीं असम, मेघालय और मणिपुर में भी कई जगह बारिश की संभावना हैं। बंगाल की खाड़ी में बने सिस्टम का असर ओडिशा में भी दिख सकता है। राज्य के कई हिस्सों में अगले छह दिन तक बारिश का अनुमान है।

शेयर बाजार और रुपए में बड़ी गिरावट

मुंबई। प्रधानमंत्री की ओर से देश के लोगों को पेट्रोल, डीजल और गैस किफायत से खर्च करने और पैसा बचाने की सलाह देने के बाद लगातार दूसरे दिन शेयर बाजार में भारी गिरावट हुई। मंगलवार को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज यानी बीएसई का ३० शेयरों वाला संवेदी सूचकांक १,४५६ अंक गिरा। एक दिन पहले सोमवार को १३ सौ से ज्यादा अंकों की गिरावट हुई थी। पिछले चार कारोबारी सत्रों में शेयर बाजार ३५ सौ अंक गिर चुका है। मंगलवार को रुपए की कीमत में भी भारी गिरावट हुई। एक डॉलर की कीमत ६५ रुपए ५० पैसे हो गई। दिन के कारोबार में इसकी कीमत इससे भी ज्यादा हो गई थी। बहरहाल, मंगलवार को शेयर बाजार में सूचकांक १,४५६ अंक गिर कर ७४,५५६ के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में भी ४३६ अंक की गिरावट रही, ये २३,३७६ के स्तर पर बंद हुआ। लगातार चौथे कारोबारी दिन बाजार में यह गिरावट आई है। चार दिन में सूचकांक करीब ३५सौ अंक और निफ्टी करीब एक हजार अंक गिरा है। मंगलवार के कारोबार

में में रियल्टी और आईटी शेयर सबसे ज्यादा गिरे। टीसीएस, इंफोसिस, टेक महिंद्रा और एचसीएल टेक के शेयरों में साढ़े चार फीसदी तक की गिरावट रही। वहीं ऑटो, फाइनेंशियलसर्विसेज, एफएमसीजी, मीडिया, फार्मा, पीएसयू बैंक और प्राइवेट बैंक सेक्टर में ढाई फीसदी तक की गिरावट आई। माना जा रहा है कि कच्चे तेल की कीमत बढ़ कर १०५ डॉलर प्रति बैरल होने और महंगाई बढ़ने की आशंका से बाजार गिरा है। गौरतलब है कि तेल संकट के कारण ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार और सोमवार को लोगों से तेल बचाने सहित सात उपाय आजमाने की बात कही थी। बहरहाल, शेयर बाजार में गिरावट का एक कारण यह भी है कि विदेशी संस्थागत निवेशक लगातार बिकवाली कर रहे हैं। उन्होंने सोमवार को करीब साढ़े आठ हजार करोड़ रुपए के शेयर बेचे। इस बीच मंगलवार को डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया ६५.५ के ऐतिहासिक निचले स्तर पर आ गया। रुपए की कमजोरी से विदेशी निवेशकों का भरोसा डगमगाया है। इसके अलावा अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव से निवेशक डरे हुए हैं।

पीएम मोदी की 'ऊर्जा बचत अपील' पर सीएम धामी की खास पहल

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ऊर्जा बचत अपील पर उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बड़ा कदम उठाया है। मुख्यमंत्री धामी ने अपना सरकारी काफिला आधा कर दिया है। साथ ही उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी की ऊर्जा बचत अपील को 'राष्ट्रहित का संकल्प' बताया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रधानमंत्री मोदी की ऊर्जा संरक्षण और संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग की अपील को राष्ट्रहित में महत्वपूर्ण बताते हुए अपनी सरकारी फ्लीट को आधा कर दिया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की यह अपील केवल ऊर्जा बचत तक सीमित नहीं है, बल्कि यह आत्मनिर्भर, सक्षम और जिम्मेदार भारत के निर्माण का सामूहिक संकल्प है। जब देशहित सर्वोपरि हो, तब प्रत्येक नागरिक और जनप्रतिनिधि का दायित्व है कि वह अपने स्तर पर संसाधनों के संरक्षण में योगदान दे। मुख्यमंत्री ने सभी मंत्रियों, जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों से भी कहा है कि वे अनावश्यक वाहनों के उपयोग से बचें, सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा दें तथा ऊर्जा संरक्षण को जनआंदोलन का रूप देने में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएं। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड सरकार प्रधानमंत्री के इस आह्वान को पूरी गंभीरता और प्रतिबद्धता के साथ लागू करेगी, ताकि संसाधनों की बचत के साथ–साथ पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास के लक्ष्य भी हासिल किए जा सकें। इससे पहले खुद प्रधानमंत्री मोदी ने इस पर अमल करते हुए बुधवार को कैबिनेट की बैठक में सिर्फ चार

गाड़ियों के काफिले से पहुंचे। उन्होंने अपने काफिले में इलेक्ट्रिक वाहनों को शामिल करने पर जोर दिया। पीएम मोदी की अपील पर भाजपा शासित राज्यों के कई मुख्यमंत्री ने अपने काफिले को आधा कर दिया है। गौरतलब है कि पीएम मोदी ने हैदराबाद के सिकंदराबाद परेड ग्राउंड में एक जनसभा को संबोधित करते हुए देशवासियों से अपील की थी कि वे अगले एक साल तक सोने की खरीद कम करें, ताकि विदेशी मुद्रा की बचत की सके। इसके अलावा पीएम मोदी ने ईंधन की खपत कम करने के लिए कई सुझाव दिए। उन्होंने कहा था कि जहां संभव हो, वहां मेट्रो और सार्वजनिक परिवहनों का उपयोग करें।

लगातार दूसरी बार सीएम बने हिमंता

गुवाहाटी। हिमंता बिस्वा सरमा ने मंगलवार को मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। वे लगातार दूसरी बार मुख्यमंत्री बने हैं। हिमंता पहले गैर कांग्रेसी नेता हैं, जो लगातार दूसरी बार मुख्यमंत्री बने हैं। उनको और उनके साथ चार मंत्रियों को राज्यपाल लक्ष्मण आचार्य ने पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ उनकी कैबिनेट के अनेक वरिष्ठ मंत्री और एनडीए शासित राज्यों के मुख्यमंत्री मौजूद थे। राज्यपाल लक्ष्मण आचार्य ने गुवाहाटी के खानापारा वेटरनरी क लेज ग्राउंड में हिमंता को पद और गोपनियता की शपथ दिलाई। हिमंता के अलावा चार विधायकों भाजपा के रामेश्वर तेली, अजंता

नियोग के साथ सहयोगी पार्टी असम गण परिषद के अतुल बोरा और बीपीएफ के चरण बोड़ो ने मंत्री पद की शपथ ली है। गौरतलब है कि चार मई को आए नतीजों में भाजपा लगातार तीसरी बार जीती। उसने अकेले ८२ सीटें जीतीं, जबकि सहयोगियों के साथ उसे १०२ सीटें मिली हैं। असम में भाजपा के पहले मुख्यमंत्री रहे सर्बानंद सोनोवाल ने मंगलवार को शपथ से पहले कहा कि लगातार तीसरी बार भाजपा के नेतृत्व में एनडीए की सरकार बनने जा रही है। यह पार्टी लिए एक बड़ा दिन है। गौरतलब है कि सोनोवाल असम गण परिषद से भाजपा में गए थे और हिमंता ने २०१५ में कांग्रेस छोड़ कर भाजपा का दामन थामा था।

खुदरा महंगाई में मामूली बढ़ोतरी

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में चल रहे तनाव और तेल की आपूर्ति प्रभावित होने की वजह से अप्रैल के महीने में महंगाई दर बढ़ने का अनुमान था। लेकिन इसका ज्यादा असर नहीं दिखा है। महंगाई दर में बहुत मामूली बढ़ोतरी हुई है। अप्रैल में खुदरा महंगाई बढ़ कर ३.४८ फीसदी पर पहुंची, जो इससे पहले मार्च में ३.४० फीसदी पर थी। केंद्र सरकार ने १२ मई को ये आंकड़े जारी किए। गौरतलब है कि अमेरिका और ईरान के बीच समझौता नहीं हुआ है और भले युद्धविराम हो लेकिन पश्चिम एशिया में तनाव बना हुआ है। बहरहाल, अप्रैल में महंगाई बढ़ने की सबसे बड़ी वजह खाने पीने की चीजों के दामों का बढ़ना है। खाने पीने की चीजों की महंगाई दर अप्रैल में बढ़कर ४.२० फीसदी पर पहुंच गई। मार्च में यह आंकड़ा ३.८७ फीसदी था। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक शहरी महंगाई के मुकाबले ग्रामीण महंगाई दर ज्यादा बढ़ी है।

मोदी के 'उपदेश' पर विपक्ष का वार

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के लोगों से पेट्रोल, डीजल और गैस किफायत से खर्च करने की अपील की है। उनकी इस अपील को 'उपदेश' बताते हुए विपक्ष ने सरकार पर हमला किया है। विपक्ष ने इसे सरकार की नाकामी बताया है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि सरकार चलाना प्रधानमंत्री मोदी के बस में नहीं है। दूसरी ओर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि चुनाव खत्म होते ही तेल के संकट की याद आ गई। गौरतलब है कि पश्चिम एशिया में चल रहे संकट का हवाला देते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने रविवार को लोगों से सात अपील की थी। इसे लेकर राहुल ने मोदी पर हमला किया और इसे सरकार की नाकामी बताया। राहुल ने कहा कि अब देश चलाना प्रधानमंत्री के बस में नहीं रह गया है। सोशल मीडिया प्लेटफ र्म एक्स पर एक पोस्ट में राहुल ने सोमवार को लिखा, 'कल मोदी जी ने जनता से त्याग मांगा। सोना मत खरीदो, विदेश मत जाओ, पेट्रोल कम इस्तेमाल करो, खाद और खाने के तेल का उपयोग घटाओ, मेट्रो से चलो, घर से काम करो। ये उपदेश नहीं हैं। ये विफलता हैं'। राहुल ने प्रधानमंत्री मोदी पर हमला करते हुए कहा कहा, '१२ साल में देश को इस मुकाम पर ला दिया है कि जनता को बताना पड़ रहा है। क्या खरीदें, क्या नहीं। कहां जाए, कहां नहीं'। गौरतलब है कि, रविवार को प्रधानमंत्री तेलंगाना के दौरे पर गए थे। वहां हैदराबाद में एक

जनसभा में पीएम मोदी ने आयात पर निर्भरता कम करने और ड लर बचाने की जरूरत पर जोर दिया। मोदी रविवार कहा था, 'आज के समय में पेट्रोल, गैस और डीजल का इस्तेमाल कम करना होगा। पड़ोस में चल रहे युद्ध के असर से दुनियाभर में पेट्रोल, डीजल के दाम कई गुना बढ़ गए हैं। भारत पर इस वैश्विक संकट का असर ज्यादा है, हमारे पास तेल के बड़े कुएं नहीं हैं'। इसके बाद मोदी ने लोगों से कहा कि वे विदेश जाना स्थगित करें, एक साल तक सोना नहीं खरीदें और सार्वजनिक परिवहन का इस्तेमाल करें। उन्होंने किसानों से रासायनिक खाद कम इस्तेमाल करने को भी कहा। मोदी ने लोगों से यह भी कहा कि जैसे कोरोना महामारी के समय वर्क फ्र म होम किया था वैसे ही करने की कोशिश करें। इसके एक दिन बाद सोमवार को समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा, 'भाजपा सरकार अर्थव्यवस्था और विदेश नीति दोनों को संभालने में विफल रही है। जैसे ही चुनाव खत्म हुए, सरकार को अचानक संकट याद आ गया। असल में देश के लिए केवल एक ही संकट है और उसका नाम भाजपा है'। आम आदमी पार्टी के नेता संजय सिंह ने सोमवार को कहा, 'कल पीएम मोदी ने कहा कि पिछले दो महीनों से सरकार आपका बोझ उठा रही थी। अब जब चुनाव खत्म हो गए हैं, तो आपकी उपयोगिता भी खत्म हो गई। आपका बोझ तब तक उठाया, जब तक पांच राज्यों में चुनाव चल रहे थे। अब वे लोगों से कह रहे हैं कि तेल, पेट्रोल और गैस कम इस्तेमाल करें और सोना न खरीदें। क्या उन्हें चुनाव के दौरान यह सब याद नहीं था'।

ट्रंप ने ईरान के प्रस्ताव को खारिज किया

नई दिल्ली। अमेरिका और ईरान के बीच एक बार फिर गतिरोध बन गया है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के नए शांति प्रस्ताव को खारिज कर दिया है। राष्ट्रपति ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफ र्म ट्रुथ सोशल पर लिखा है, 'मैंने ईरान के प्रतिनिधि ायों का जवाब पढ़ा। मुझे यह बिल्कुल पसंद नहीं आया। इसे स्वीकार नहीं किया जा सकता'। इससे पहले ईरान की सरकारी मीडिया ने बताया था कि रविवार को ईरान ने पाकिस्तान के जरिए अमेरिका को अपना नया प्रस्ताव भेजा। बताया जा रहा है कि ईरान ने अपने प्रस्ताव में युद्ध खत्म करने, फारस की खाड़ी और होर्मुज की खाड़ी में समुद्री सुरक्षा सुनिश्चित करने, प्रतिबंध हटाने और परमाणु कार्यक्रम पर बातचीत की बात कही थी। अमेरिका ने भी पिछले हफ्ते ईरान को १४ सूत्री प्रस्ताव भेजा था। इसमें उसने कहा था कि ईरान को कम से कम १२ साल तक यूरेनियम संवर्धन रोकना होगा और अपने पास मौजूद करीब ४४० किलो ६० फीसदी संवर्धित यूरेनियम अमेरिका को सौंपना

होगा। इसके बदले अमेरिका प्रतिबंधों में ढील देगा, ईरान की फ्रीज की गईं अरबों ड लर की संपत्तियां छोड़ेगा, साथ ही ईरानी बंदरगाहों पर लगी नौसैनिक नाकेबंदी हटाएगा। हालांकि ईरान इसके लिए तैयार नहीं है। वह परमाणु मामले पर अभी बात नहीं करना चाहता है। गौरतलब है कि दोनों देशों ने आठ अप्रैल से लागू सीजफायर खत्म होने की घोषणा नहीं की है।

चुनाव याचिकाओं पर सुनवाई करेगा सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में हुए विधानसभा चुनाव से जुड़ी याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट सुनवाई के लिए तैयार हो गया है। सर्वोच्च अदालत ने सोमवार को कहा, 'बंगाल में सीटों पर जीत का अंतर एसआईआर में कटे वोटों से कम होने के मामले में ममता बनर्जी और अन्य लोग नई याचिकाएं दाखिल कर सकते हैं'। अदालत इन याचिकाओं पर सुनवाई करेगी। चुनाव नतीजों के बाद तृणमूल कांग्रेस ने दावा किया है कि चुनाव

में ३१ सीटों पर जीत का अंतर, मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर के दौरान हटाए गए वोटों की संख्या से कम था। सोमवार को जिस समय चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस ज यमल्या बागची की बेंच बंगाल में एसआईआर को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी उसी समय इस बात का जिक्र किया गया।तृणमूल कांग्रेस के सांसद और वकील कल्याण बनर्जी ने जस्टिस ज यमाल्य बागची की उस टिप्पणी का हवाला दिया, जिसमें कहा गया था कि अगर जीत का अंतर हटाए गए वोटों से कम है, तो अदालत शिकायतों पर विचार कर सकती है। इस पर अदालत ने कहा कि इस मामले में ममता बनर्जी और अन्य लोग नई याचिकाएं दाखिल कर सकते हैं। कल्याण बनर्जी ने अदालत को बताया 'मेरे एक उम्मीदवार ८६२ वोटों से हारे, जबकि दिलचस्प बात यह है कि उस निर्वाचन क्षेत्र में ैप्ट के दौरान ५,५५० वोट हटा दिए गए थे। ऐसी ३१ सीटें हैं, जहां जीत का अंतर हटाए गए वोटों से कम था'। चुनाव आयोग की ओर से पेश वकील डीएस नायडू ने कहा कि इसका उपाय चुनाव याचिका है। उन्होंने कहा कि एसआईआर से जुड़े मुद्दों और मतदाता सूची संशोधन के दौरान वोट जोड़ने या हटाने के खिलाफ अपीलों के लिए ही चुनाव आयोग को जिम्मेदार ठहराया जा सकता है। जस्टिस बागची ने इस दौरान कहा नतीजों, वोट हटाने आदि के बारे में जो भी कहना है, उसके लिए अलग अंतरिम आवेदन दाखिल करना होगा। चुनाव आयोग जो यह कह रहा है कि चुनाव याचिका ही उपाय है, वह अपनी जवाबी हलफनामे में यह बात रख सकता है। गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट ने १३ अप्रैल को कहा था कि चुनाव नतीजों में तभी दखल दिया जाएगा, जब बड़ी संख्या में मतदाता बाहर किए गए हों और वह संख्या जीत के अंतर को प्रभावित करती हो। जस्टिस बागची ने आयोग से कहा था कि मान लीजिए कि जीत का अंतर दो फीसदी है और १५ फीसदी मतदाता वोट नहीं डाल सके, तो हमें इस पर सोचना होगा। यह चिंता का मामला हो सकता है। यह मत समझिए कि बाहर किए गए मतदाताओं का सवाल हमारे दिमाग में नहीं है।

केरल का फैसला नहीं कर सकी कांग्रेस

नई दिल्ली। केरल में विधानसभा चुनाव के नतीजे आने के छह दिन बाद तक कांग्रेस पार्टी तय नहीं कर पाई है कि कौन मुख्यमंत्री बनेगा। गौरतलब है कि चार मई को पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव के नतीजे आए थे। उसके बाद बंगाल और तमिलनाडु में नए मुख्यमंत्री की शपथ हो चुकी है। पुडुचेरी और असम में सीएम का नाम और शपथ की तारीख तय हो गई है, लेकिन छह दिन बाद भी केरल में कांग्रेस नाम नहीं तय कर पाई है। गौरतलब है कि केरल की १४० सदस्यों की विधानसभा में कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूडीएफ ने १०२ सीटें जीत कर पूर्ण बहुमत हासिल किया है। पूर्ण बहुमत पाने वाले कांग्रेस के गठबंधन ने अपने सीएम के नाम का ऐलान नहीं किया है। कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल, पिछली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष वीडी सतीशन और पार्टी के वरिष्ठ नेता रमेश चेन्निथला मुख्यमंत्री की रेस में सबसे आगे चल रहे हैं। छह मई को कांग्रेस ने मुकुल वासनिक और अजय माकन को पर्यवेक्षक बनाकर

केरल भेजा था। दोनों नेताओं ने सभी विधायकों से बात की थी। उसके बाद पार्टी आलाकमान को फैसला करने के लिए अधिंत कर दिया गया। बताया जा रहा है कि वासनिक और माकन ने आलाकमान को जो रिपोर्ट सौंपी है उसमें विधायकों ने केसी वेणुगोपाल के नाम पर मुहर लगाई है। रिपोर्ट के मुताबिक, कांग्रेस के ६३ विधायकों में करीब ४५ विधायकों ने केसी वेणुगोपाल को समर्थन दिया। गौरतलब है कि वेणुगोपाल अभी सांसद हैं। अगर वे सीएम बनते हैं तो इरिक्कूर से चुनाव जीते सनी जोसेफ अपनी सीट से इस्तीफा दे सकते हैं। वेणुगोपाल वहां से उपचुनाव लड़ सकते हैं। जानकार सूत्रों का कहना है कि विधायकों की बैठक में वीडी सतीशन को सिर्फ छह विधायकों का समर्थन मिला। हालांकि, बैठक के बाद तीन पूर्व प्रदेश अध्यक्षों ने सतीशन के नाम का समर्थन किया है। इसके अलावा कांग्रेस की सबसे बड़ी सहयोगी पार्टी इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग और केरल कांग्रेस (जोसेफ) ने खुले तौर पर सतीशन को समर्थन दिया है।

बंगाल सरकार बाड़ लगाने के लिए जमीन देगी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की नई सरकार सीमा पर बाड़ लगाने के लिए जमीन देगी और जमीन देने की प्रक्रिया ४५ दिन में पूरी की जाएगी। नए मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने भारत और बांग्लादेश की सीमा पर बाड़ लगाने के लिए सीमा सुरक्षा बल यानी बीएसएफ को जमीन देने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। मुख्यमंत्री ने सोमवार को कहा कि अवैध घुसपैठ से निपटने के लिए ४५ दिन के भीतर यह जमीन गृह मंत्रालय को सौंप दी जाएगी। हावड़ा के नाबन्ना में शुभेंदु अधिकारी के नेतृत्व में बनी सरकार की पहली कैबिनेट बैठक हुई। उसके बाद मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार ने मुख्य रूप से यह फैसला किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि तृणमूल सरकार ने राज्य में पुराने आईपीसी और सीआरपीसी की जगह नए आपराधिक कानून भारतीय न्याय संहिता यानी बीएनएस को लागू नहीं किया था। राज्य में अब बीएनएस लागू करने की आधिकारिक मंजूरी दे दी गई है। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने बताया कि केंद्र सरकार की आयुष्मान भारत और जन आरोग्य योजना भी पश्चिम बंगाल में भी लागू की जाएंगी। पहली कैबिनेट बैठक में मंत्री दिलीप घोष, अग्निमित्रा पॉल, निशीथ प्रमाणिक, खुदीराम टुडू और अशोक कीर्तनिया मौजूद थे। मुख्यमंत्री ने अपने पांच मंत्रियों के बीच विभागों का बंटवारा भी कर दिया है।

किफायत से खर्च करें तेल

हैदराबाद। ईरान पर अमेरिका और इजराइल के बाद पहली बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया है कि भारत में पेट्रोलियम उत्पादों की कमी है। उन्होंने जंग का हवाला देते हुए कहा कि भारत के लोगों को पेट्रोल, डीजल और गैस किफायत से खर्च करनी चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी ने हैदराबाद में एक कार्यक्रम में लोगों से कहा कि उन्हें पेट्रोलियम उत्पादों का संयम से इस्तेमाल करना चाहिए। साथ ही यह भी कहा कि आज वर्क फ्रॉम होम जैसे उपाय आजमाने की जरुरत है। मोदी ने कहा, 'आज के समय में पेट्रोल, गैस और डीजल का बड़े संयम के साथ इस्तेमाल किया जाना चाहिए। हमें इंपोर्टेड पेट्रोलियम उत्पादों का इस्तेमाल केवल आवश्यकता के अनुसार करना चाहिए'। प्रधानमंत्री ने कहा कि इससे न केवल विदेशी मुद्रा की बचत होगी बल्कि युद्ध के असर को भी कम किया जा सकेगा। प्रधानमंत्री मोदी ने रविवार को किफायत से पेट्रोलियम उत्पाद खर्च करने की अपील करते हुए युद्ध का हवाला दिया। उन्होंने कहा, 'पड़ोस में चल रहे युद्ध के असर से दुनियाभर में पेट्रोल, डीजल के दाम कई गुना बढ़ गए

हैं'। गौरतलब है कि अमेरिका और इजराइल ने २८ फरवरी को ईरान पर हमला किया था। उसके बाद होर्मुज की खाड़ी बंद हो गई थी, जिससे भारत में तेल और गैस की किल्लत हुई। हालांकि सरकार लगातार कहती रही कि सब कुछ ठीक है। अब उस युद्ध का हवाला देते हुए मोदी ने कहा है, 'भारत पर इस वैश्विक संकट का असर ज्यादा है, हमारे पास तेल के बड़े कुएं नहीं हैं'। उन्होंने कहा कि जिन शहरों में मेट्रो है, वहां लोग मेट्रों का इस्तेमाल करें। कारपुलिंग करें। आज वर्क फ्रॉम होम जैसे उपायों की जरूरत है। मोदी ने कहा, 'कोरोना काल में देश ने वर्क फ्रॉम होम की जो व्यवस्था विकसित की। आज समय की मांग ऐसी है कि अगर हम इन व्यवस्थाओं को फिर से शुरू करें तो यह देश के हित में होगा'। इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी ने तेलंगाना में करीब साढ़े नौ हजार करोड़ रुपए की परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इस मौके पर उन्होंने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी की एक बात का जवाब देते हुए कहा कि मनमोहन सिंह की सरकार ने अपने १० साल के कार्यकाल में गुजरात को जितनी मदद दी थी अगर उतना आज तेलंगाना को दिया जाए तो अभी मिल रही रकम का आधा होगा। इसके बाद प्रधानमंत्री ने मजाकिया अंदाज में रेवंत रेड्डी से यह भी कहा कि, 'बेहतर होगा कि आप भी हमारे साथ आ जाएं'।

भाजपा पदाधिकारियों के साथ डिप्टी सीएम केशव मौर्य ने की बैठक, सुनी लोगों की समस्याएं, अधिकारियों को दिए जल्द निष्तारण के निर्देश

मथुरा। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने बुधवार को यहां भाजपा जिला पदाधिकारियों के साथ बैठक कर जिले की विभिन्न समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की। बैठक में भाजपा नेताओं ने आम जनता से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दे उठाए। भाजपा जिला अध्यक्ष निर्भय पांडे और महानगर अध्यक्ष हरिशंकर यादव के नेतृत्व में पदाधिकारियों ने जनसमस्याओं को प्रमुखता से उपमुख्यमंत्री के समक्ष रखा। बैठक में जिला मीडिया प्रभारी श्याम चतुर्वेदी ने आरटीओ कार्यालय में भ्रष्टाचार और दलाली का मुद्दा उठाते हुए कहा कि ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने के लिए खुलेआम सुविधा शुल्क लिया जा रहा है और बिना दलाली के आम नागरिकों का काम नहीं हो पा रहा है। इसके साथ ही मथुरा के वाहन फिटनेस सेंटर को आगरा स्थानांतरित किए जाने का मुद्दा भी बैठक में उठा। पदाधिकारियों ने कहा कि वाहन स्वामियों को फिटनेस के लिए करीब ६० किलोमीटर दूर जाना पड़ रहा है, जिससे उन्हें परेशानी का सामना करना पड़ रहा है और अवैध वसूली की शिकायतें भी सामने आ रही हैं। बैठक में आधार कार्ड एवं आयुष्मान कार्ड बनवाने में हो रही कठिनाइयों, पात्र बुजुर्गों की लंबित वृद्धावस्था पेंशन, नगर निगम क्षेत्र में सड़क निर्माण में देरी तथा सड़क और फुटपाथ के असंतुलित स्तर के कारण हो रहे हादसों का मुद्दा भी उठाया गया। इसके अलावा कार्यकर्ताओं और व्यापारियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए शस्त्र लाइसेंस प्रक्रिया को सरल बनाए जाने की मांग भी की गई। पूर्व राज्य मंत्री रविकांत गर्ग ने सड़क निर्माण कार्यों में हो रही देरी पर चिंता व्यक्त की, जबकि जिला अध्यक्ष निर्भय पांडे ने कहा कि आरटीओ में दलाली और फिटनेस

सेंटर से जुड़ी अनियमितताओं पर रोक लगनी चाहिए। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सभी समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए १५ दिनों के भीतर कार्रवाई का आश्वासन दिया। उन्होंने जिलाधिकारी, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, लोक निर्माण विभाग, नगर निगम और समाज कल्याण विभाग के अधिकारियों को संयुक्त शिविर लगाकर जनसमस्याओं का शीघ्र समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में अनिल चौधरी, सतपाल चौधरी, आकाश चौधरी, अमन ठाकुर, ज्ञानेन्द्र, सुषिला, मनीषा पाराशर, निर्मला सिंह बघेल, रेखा निषाद, रणवीर, सुरेश तरकर, विक्रम सिंह, अजय परखम, ओमप्रकाश सैनी और वीरचन्द्र गुर्जर सहित अनेक पदाधिकारी मौजूद रहे।

आरएलडीए कांकॉर्स निर्माण के चलते रेलवे का बड़ा फैसलाः मेमू और पैसेंजर ट्रेनें कानपुर-आलमनगर तक ही चलेंगी

लखनऊ। लखनऊ रेलवे स्टेशन पर रेलवे भूमि विकास प्राधिकरण (आरएलडीए) कांक र्स निर्माण कार्य करा रहा है। इस कारण १५ मई से २३ जून २०२६ तक प्लेटफॉर्म संख्या–४ पर ब्लॉक लिया जाएगा। जिससे कई ट्रेनों का संचालन प्रभावित रहेगा। उत्तर रेलवे लखनऊ मंडल ने ट्रेनों के शॉर्ट टर्मिनेशन, शॉर्ट ओरिजिनेशन और मार्ग परिवर्तन किया है। झांसी–लखनऊ मेमू और लखनऊ–झांसी मेमू ट्रेनें कानपुर सेंट्रल तक ही संचालित होंगी। शाहजहांपुर–लखनऊ, बालामऊ–लखनऊ पैसेंजर ट्रेनों का संचालन आलमनगर स्टेशन तक सीमित रहेगा। लखनऊ से चलने वाली पैसेंजर ट्रेनें आलमनगर से ही रवाना होंगी। इसके अलावा कई महत्वपूर्ण एक्सप्रेस ट्रेनों के मार्ग में भी बदलाव किया गया है। मुजफ्फरपुर–सूरत एक्सप्रेस, सूरत–मुजफ्फरपुर एक्सप्रेस, गुवाहाटी–ओखा एक्सप्रेस, ओखा–गुवाहाटी एक्सप्रेस, कामाख्या–गांधीधाम एक्सप्रेस, गांधीधाम–कामाख्या एक्सप्रेस, लोकमान्य तिलक टर्मिनस–गोरखपुर एक्सप्रेस, गोरखपुर–एलटीटी एक्सप्रेस, पनवेल–गोरखपुर एक्सप्रेस,

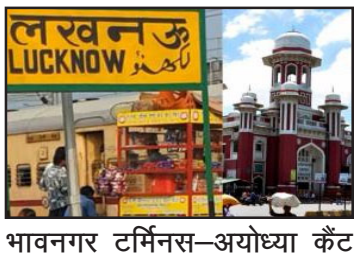

भावनगर टर्मिनस–अयोध्या कैंट एक्सप्रेस और पुणे–गोरखपुर एक्सप्रेस को परिवर्तित मार्ग से चलाया जाएगा। इन ट्रेनों को बाराबंकी–मल्हौर–ऐशबाग–कानपुर सेंट्रल अथवा कानपुर सेंट्रल–ऐशबाग–मल्हौर–बाराबंकी मार्ग से संचालित किया जाएगा। इस दौरान लखनऊ रेलवे स्टेशन पर इन ट्रेनों का ठहराव पूरी तरह निरस्त रहेगा। यात्रियों की सुविधा के लिए ऐशबाग और बादशाहनगर स्टेशन पर अतिरिक्त ठहराव दिया जाएगा। वहीं बरेली–प्रयागराज संगम एक्सप्रेस को आलमनगर–ट्रांसपोर्ट नगर–उतरेटिया मार्ग से चलाया जाएगा। इस दौरान लखनऊ स्टेशन का ठहराव समाप्त रहेगा तथा आलमनगर और उतरेटिया स्टेशन पर ट्रेन रुकेगी। उत्तर रेलवे के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक समर्थ गुप्ता ने बताया कि निर्माण कार्य यात्रियों को भविष्य में बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कराया जा रहा है। उन्होंने यात्रियों से अपील की है कि यात्रा शुरू करने से पहले ट्रेन की स्थिति और समय की जानकारी रेलवे हेल्पलाइन नंबर १३९ अथवा रेलवे की आधिकारिक वेबसाइट और ऐप के माध्यम से अवश्य प्राप्त कर लें, ताकि किसी प्रकार की असुविधा से बचा जा सके।

आवास में फंदे से लटका मिला महिला मुख्य आरक्षी का शव

बाराबंकी। थाना क्षेत्र स्थित १०वीं वाहिनी पीएसी परिसर के सरकारी आवास में मंगलवार शाम महिला मुख्य आरक्षी का शव फंदे से लटका मिलने से हड़कंप मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मौके से एक सुसाइड नोट भी बरामद हुआ है, जिसमें मृतका ने आत्महत्या का कारण निजी परेशानी बताया है। बताया गया कि कमिश्नरेट कानपुर में तैनात महिला मुख्य आरक्षी शिल्पी यादव (३२) तीरंदाजी खिलाड़ी थीं और पिछले कुछ महीनों से १०वीं वाहिनी पीएसी परिसर में रहकर टीम के साथ अभ्यास कर रही थीं। मंगलवार शाम वह प्रैक्टिस के लिए ग्राउंड नहीं पहुंचीं तो साथी खिलाड़ी उनके सरकारी आवास पर पहुंचे। काफी देर तक आवाज देने के बावजूद अंदर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। अनहोनी की आशंका पर कर्मचारियों ने दरवाजा तोड़कर अंदर प्रवेश किया, जहां शिल्पी का शव फंदे से लटका मिला। घटना की सूचना पर मसौली पुलिस मौके पर पहुंची और शव को नीचे उतरवाकर पंचनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतका मूल रूप से जनपद

इटावा की निवासी थीं। घटना की जानकारी उनके परिजनों को दे दी गई है। जानकारी मिलते ही पुलिस अधीक्षक अर्पित विजयवर्गीय एवं अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी विकास चंद्र त्रिपाठी ने घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच–पड़ताल की। पुलिस के अनुसार मृतका की शादी हो चुकी थी और करीब दो वर्ष पूर्व उनका तलाक हो गया था। कमरे से मिले सुसाइड नोट को पुलिस ने कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। एएसपी विकास चंद्र त्रिपाठी ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है।

मध्य पूर्व संकट पर मायावती ने जाहिर की चिंता, केंद्र और राज्य सरकारों से आम जनता को बचाने की अपील

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) मायावती ने मध्य पूर्व एशिया में व्याप्त तनाव पर चिंता व्यक्त करते हुये केंद्र और राज्य सरकारों से जन हित में उचित कदम उठाने की अपील की है। मायावती ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा देशवासियों से श्संयमश बरतने की अपील का हवाला देते हुए कहा कि इससे साफ है कि भारत के सामने संकट केवल पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस जैसे पेट्रोलियम पदार्थों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि यह एक बड़े आर्थिक संकट का रूप ले सकता है। उन्होंने आशंका जताई कि इस संकट से करोड़ों भारतीयों का जीवन प्रभावित होगा और स्थिति के और बिगड़ने की भी संभावना है। बसपा प्रमुख ने अपने बयान में कहा कि कोरोना काल की मार के बाद देश की लगभग सौ करोड़ जनता पहले से ही रोजी–रोटी के संकट से जूझ रही है। ऐसी स्थिति में जनता के पास और अधिक संयमित होने या खोने के लिए कुछ खास नहीं बचा है। उन्होने केंद्र और सभी राज्य सरकारों से अपील की कि इस विकट परिस्थिति में गरीब और मेहनतकश परिवारों को थोड़ी राहत देकर उनका सहारा बनें। उन्होंने कहा कि सरकारों को खुद ही कुछ बेहतर उपाय करने चाहिए ताकि जनता को इस संकट से उबारा जा सके। उन्होंने इसे जन और देशहित में उचित बताया और कहा कि यही आम जन की भावना है।

सप्ताह में एक दिन 'नो व्हीकल डे' समेत मंत्री, सांसद, विधायक और अफसर पब्लिक ट्रांसपोर्ट से चलेंगें

लखनऊ। वैश्विक हालात और बढ़ती आर्थिक चुनौतियों के बीच मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसाधन बचत संबंधी आह्वान को प्रदेश में लागू करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। मुख्यमंत्री ने मंत्रियों और वरिष्ठ अधिकारियों की फ्लीट में तत्काल ५० प्रतिशत कटौती के निर्देश दिए हैं। सप्ताह में एक दिन 'नो व्हीकल डे' मनाने और मंत्री, सांसद, विधायक व जनप्रतिनिधियों को सप्ताह में कम से कम एक दिन सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करने की सलाह दी। मुख्यमंत्री योगी ने मंगलवार को मुख्य सचिव, डीजीपी और सभी विभागों के अपर मुख्य सचिवों एवं प्रमुख सचिवों के साथ बैठक में कहा कि दुनिया में अस्थिरता का माहौल है, ऐसे में संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग की जरूरत है। उन्होंने निर्देश दिया कि मुख्यमंत्री, मंत्रियों और अधिकारियों के काफिलों से अनावश्यक वाहन हटाए जाएं। सीएम ने सप्ताह में एक दिन 'नो व्हीकल डे' मनाने और मंत्री, सांसद, विधायक व जनप्रतिनिधियों को सप्ताह में कम से कम एक दिन सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करने को कहा। उन्होंने मेट्रो, पीएनजी, बस, कार पूलिंग, साइक्लिंग और ईवी के इस्तेमाल को बढ़ावा देने पर विशेष जोर दिया। साथ ही प्रदेशवासियों से ईंधन की खपत

कम करने, सार्वजनिक परिवहन अपनाने और अनावश्यक सोने की खरीद से बचने की अपील की है। मुख्यमंत्री योगी ने औद्योगिक संस्थानों, स्टार्टअप्स और सरकारी कार्यालयों में वर्क फ्र म होम संस्कृति को प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राज्य सचिवालय और निदेशालय की ५० प्रतिशत आंतरिक बैठकें वर्चुअल माध्यम से आयोजित की जाएं। स्कूलों और क लेजों में भी सेमिनार, वर्कश प और बैठकों को अ नलाइन मोड में करने पर जोर दिया गया। ऊर्जा बचत को लेकर मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकारी और निजी भवनों में अनावश्यक बिजली का उपयोग रोका जाए। व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में रात १० बजे के बाद सजावटी रोशनी सीमित रखने के निर्देश दिए गए। साथ ही पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत रूफट प सोलर अपनाने के लिए लोगों को प्रेरित करने को कहा गया। मुख्यमंत्री ने लोगों से अगले छह माह तक गैरजरूरी विदेशी यात्राओं से बचने और देश के भीतर पर्यटन को बढ़ावा देने की अपील की। उन्होंने "विजिट माई स्टेट" अभियान शुरू करने के निर्देश दिए, जिसके तहत हेरिटेज, ईको, ग्रामीण और धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा दिया जाएगा। उन्होंने ओडीओपी और जीआई टैग उत्पादों को उपहार के रूप में बढ़ावा देने तथा स्वदेशी वस्तुओं के उपयोग पर भी जोर दिया। सीएम ने खाद्य तेल की खपत कम करने, प्रोंतिक खेती को प्रोत्साहन देने और गोशालाओं से निकलने वाले गोबर के उपयोग को बढ़ाने के निर्देश भी दिए।

हिमंता बिस्वा सरमा के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए मुख्यमंत्री योगी, नवनियुक्त मंत्रियों को दी बधाई

लखनऊ। गुवाहाटी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंगलवार को असम पहुंचे, जहां उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति में नवनिर्वाचित राजग सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में हिस्सा लिया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हिमंता बिस्वा सरमा एवं मंत्रिमंडल के नवनियुक्त सदस्यों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल और सफल कार्यकाल की शुभकामनाएं दीं। गुवाहाटी हवाई अड्डे पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का पारंपरिक तरीके से भव्य स्वागत किया गया। स्थानीय कलाकारों ने वाद्ययंत्रों और सांस्कृतिक नृत्य प्रस्तुतियों के साथ उनका अभिनंदन किया, जबकि पारंपरिक परिधान में मौजूद महिलाओं ने उनका स्वागत किया।

एयरपोर्ट पर बड़ी संख्या में मौजूद लोगों ने जयकारों के साथ मुख्यमंत्री योगी का अभिवादन किया। इस दौरान मुख्यमंत्री योगी ने भी हाथ जोड़कर लोगों का अभिवादन स्वीकार करते हुए आभार व्यक्त किया।

यूपी में खाद की कमी नहीं ....बोले कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, यूरिया की कालाबाजारी पर रासुका के तहत होगी कार्रवाई

लखनऊ। खरीफ २०२६ सीजन में किसानों को समय से गुणवत्तापूर्ण बीज और उर्वरक उपलब्ध कराने के लिए प्रदेशभर में व्यापक इंतजाम किए गए हैं। कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने कहा कि किसानों को धान, उड़द, मूंग, तिल और मोटे अनाजों के बीज ५० प्रतिशत अनुदान पर उपलब्ध कराए जाएंगे। इसके साथ ही दलहन और तिलहन फसलों के मिनी किट भी वितरित किए जाएंगे। कृषि भवन में सोमवार को संपन्न समीक्षा बैठक में कृषि मंत्री ने बताया कि इस खरीफ सीजन में कुल १,६६,११७ क्विंटल बीज वितरण का लक्ष्य तय किया गया है। इनमें १५ मई से ८० हजार क्विंटल धान बीज का वितरण शुरू होगा। राष्ट्रीय दलहन आत्मनिर्भरता मिशन के तहत ४६,१२६ क्विंटल दलहन बीज तथा मूंगफली उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए ५७,४४६ क्विंटल बीज अनुदान पर उपलब्ध कराए जाएंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि खाद की कालाबाजारी और तस्करी में शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। ऐसे मामलों में राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (रासुका) के तहत भी कठोर कार्रवाई की जाएगी। किसानों को वैज्ञानिक खेती की जानकारी देने के लिए १५ मई को कानपुर में पहली मंडलीय किसान गोष्ठी आयोजित होगी। इसमें चित्रकूट, झांसी और कानपुर मंडल के किसान और कृषि वैज्ञानिक भाग लेंगे। इसके बाद

२१ मई को लखनऊ में राज्य स्तरीय किसान गोष्ठी होगी। कृषि मंत्री ने कहा कि प्रदेश में उर्वरकों का पर्याप्त भंडार मौजूद है। वर्तमान में २७.५४ लाख मीट्रिक टन खाद उपलब्ध है, जिसमें १२ लाख मीट्रिक टन यूरिया, ४.७६ लाख मीट्रिक टन एनपीके, ३.६६ लाख मीट्रिक टन एसएसपी और ६१ हजार मीट्रिक टन पोटाश शामिल है। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे खाद की उपलब्धता को लेकर किसी प्रकार की चिंता न करें और संतुलित मात्रा में उर्वरकों का प्रयोग करें।

एक व्यक्ति के द्वारा पूरे ब्राह्मण समाज को गाली देने पर गुस्सा हुआ पूरा ब्राह्मण समाज

लखीमपुर खीरी। लखीमपुर खीरी से एक मामला सामने आया है, जिसमें दो लोगों की कॉल रिकॉर्डिंग सोशल मिडिया पर बहुत जोरो से वायरल हो रही है ,जिसमें

एक व्यक्ति दुसरे व्यक्ति से पूरे ब्राम्हण समाज को भद्दी भद्दी गाली देता दे रहा है, जिससे ब्राम्हण समाज में काफी आक्रोश बना हुआ है,जबकि आरोपी हरेराम वर्मा उर्फ कजः जिसपे पुलिस ने मुकदमा लिखने के बावजूद उसकी कोई गिरफ्तारी नहीं की, जबकि जिसने रिकॉर्डिंग वायरल की थी उसको ही पुलिस ने गिरफ्तार कर के जेल भेज दिया, आज भी मेन आरोपी खुले आम घूम रहा है, क्या ऐसे ही एक समाज को टारगेट करते हुए प्रशासन योगी मॉडल को फेल करने में जुटा है। ब्राह्मण परिवार सेवा समिति के अध्यक्ष अवधेश मिश्रा जी ने ज्ञापन सौंपते हुए मांग रखी कि अगर कोई कार्रवाई पुलिस के द्वारा नहीं की जाती है तो हम लोग परशुराम जी के वंशज हैं फरसा उठाना भी जानते हैं और पूजा करना भी जानते हैं,साथ ही साथ में मौजूद राष्ट्रीय अधिकार मोर्चा के अध्यक्ष विनोद शुक्ला ने कहा कि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजकुमार भाटी के द्वारा ब्राह्मण समाज के प्रति अत्यंत अपमानजनक एवं अमर्यादित भाषा का प्रयोग किया गया है उनके बयान से संपूर्ण ब्राह्मण समाज की भावनाएं आहत हुई है सामाजिक सौहार्द बिगड़ने का गंभीर खतरा उत्पन हुआ है इसकी हम लोग कड़ी निंदा करते हैं, इस संबंधित व्यक्ति के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धाराओं के तहत प्राथमिकता दर्ज कर कानूनी कार्यवाही की जाए,साथ ही हम सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव से मिलकर के ऐसे व्यक्ति को पार्टी से निष्कासित करने के लिए मांग करेंगे,और वह व्यक्ति पूरे ब्राह्मण समाज से सार्वजनिक रूप से माफी मांगे। इस मौके पर ब्राम्हण परिवार सेवा समिति के संरक्षक मंडल उमेश पांडे,अनिल मिश्रा, विजय मिश्रा उर्फ राजू , उपाध्यक्ष मधुरेश शुक्ला ,प्रभाकर शर्मा कमलेश शुक्ला, अरुण पांडे, प्रमेश त्रिवेदी उर्फ गट्टू, ललित शुक्ला एवं सगठन मंत्री अवधेश मिश्रा उर्फ दरोगा। संयुक्त मंत्री विपिन मिश्रा मीडिया प्रभारी कमल मिश्रा, शत्रुघ्न अवस्थी, रवि पाण्डेय। कोषाध्यक्ष अभिषेक शुक्ला। साथ ही साथ राष्ट्रीय अधिकार मोर्चा के अध्यक्ष विनोद शुक्ला के साथ कमल मिश्रा, संतोष अग्निहोत्री एडवोकेट, चंद्र मौली शुक्ला एडवोकेट, सुशील,विजय मिश्रा, विपिन, अरविंद दीक्षित अभिषेक शुक्ला, आनंद अग्निहोत्री के साथ सैकड़ों ब्राम्हण समाज के लोग उपस्थिति रहे।

अपर पुलिस अधीक्षक की आगुआई मे गोला की सडको पर की गई पैदल गस्त

गोला गोकर्णनाथ खीरी। अपर पुलिस अधीक्षक (पश्चिमी) व पुलिस

क्षेत्राधिकारी रमेश कुमार तिवारी व प्रभारी निरीक्षक अंबर सिंह के नेतृत्व मे गोला के सभी प्रमुख मार्गो पर मय भारी पुलिस फोर्स के साथ गोला में पैदल गस्त की गई। इस दौरान सभी अधिकारियो ने पैदल गस्त के दौरान सभी आम जनमानस को सुरक्षा के प्रति आश्वस किया।

योगी की कैबिनेट में छह नए मंत्री बने

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव से १० महीने पहले योगी आदित्यनाथ सरकार का विस्तार हुआ। रविवार को छह नए मंत्रियों को शपथ दिलाई गई और साथ दो राज्यमंत्रियों को तरक्की देकर स्वतंत्र प्रभार का मंत्री बनाया गया। रविवार को शपथ ली। इसके बाद सपा के बागी विधायक मनोज पांडेय ने शपथ ली। दोनों को कैबिनेट मंत्री बनाया गया है। बाद में समाजवादी पार्टी ने कहा कि वह मनोज पांडेय को मंत्री बनाए जाने को चौलेंज नहीं कर सकती है क्योंकि पार्टी पहले ही उनको निकाल चुकी है।

शपथ लेने वालों में दो कैबिनेट मंत्री और चार राज्यमंत्री बनाए गए। भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष और जाट समुदाय से आने वाले भूपेंद्र चौधरी को कैबिनेट मंत्री बनाया गया है। कैबिनेट विस्तार में ब्राह्मण, जाट, दलित, पिछड़ा सबका संतुलन बनाया गया है। रविवार को लोकभवन में आयोजित समारोह में सबसे पहले भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने सपा ने उनको २०२४ में पार्टी से निकाला था। अब भाजपा ने उनको मंत्री बनाया है। दो कैबिनेट मंत्रियों के बाद अजीत पाल और फिर सोमेंद्र तोमर ने शपथ ली। दोनों को प्रमोट कर स्वतंत्र प्रभार का राज्य मंत्री बनाया गया। इसके बाद कृष्णा पासवान, कैलाश राजपूत, सुरेंद्र दिलेर और हंसराज विश्वकर्मा ने राज्यमंत्री पद की शपथ ली। कृष्णा पासवान पहले आंगनबाड़ी कार्यकर्ता थीं। नए बनने वाले मंत्रियों में एक ब्राह्मण, तीन ओबीसी और दो दलित वर्ग से हैं। खास बात यह रही कि शपथ के बाद अजीत पाल, सोमेंद्र तोमर, ेष्णा पासवान, कैलाश राजपूत, सुरेंद्र दिलेर और हंसराज ने राज्यपाल आनंदी बेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनथा के पैर छुए। बहरहाल, इस विस्तार के बाद उत्तर प्रदेश सरकार में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को मिला कर कुल ६० मंत्री हैं। इस तरह पूरी कैबिनेट भर गई है। राज्य में इतने ही मंत्री बन सकते हैं। गौरतलब है कि दूसरी बार सरकार बनने पर योगी मंत्रिमंडल का पहला विस्तार २०२४ में लोकसभा चुनाव से ठीक पहले पांच मार्च, २०२४ को हुआ था। मंत्रियों की शपथ के बाद भाजपा में नाराजगी भी शुरू हो गई है। मंत्री पद न मिलने से नाराज भाजपा विधायक आशा मौर्या ने पार्टी पर अनदेखी का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि मौर्य समाज की अनदेखी की गई है। दलबदलू नेताओं को तवज्जो दी गई। गौरतलब है कि आशा मौर्य सीतापुर में महमूदाबाद सीट से विधायक हैं।

चेतन तिवारी गोलीकांड में बड़ी कार्रवाईः लापरवाही पर चौकी प्रभारी सस्पेंड, इंस्पेक्टर के खिलाफ भी जांच शुरू

लखनऊ। भाजयुमो नेता चेतन तिवारी गोलीकांड मामले में लापरवाही पाए जाने पर टिकैतगंज चौकी प्रभारी दीपांकर शर्मा को हटा दिया गया है। डीसीपी पश्चिम कमलेश दीक्षित ने बताया कि उन्हें डीसीपी कार्यालय से संबद्ध किया गया है। साथ ही इंस्पेक्टर बाजारखाला बृजेश सिंह और चौकी प्रभारी के खिलाफ एसीपी काकोरी शकील अहमद को जांच सौंपी गई है। रिपोर्ट के आधार पर आगे कार्रवाई की जाएगी। मामला बाजारखाला के मेहंदीगंज का है, जहां शनिवार रात चेतन तिवारी को गोली मार दी गई थी। गंभीर हालत में उन्हें ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। उनकी पत्नी मानसी तिवारी की तहरीर पर वैभव बाजपेई उर्फ कौस्तुभ बाजपेई, हर्षित बाजपेई समेत अन्य के खिलाफ हत्या के प्रयास, धमकी और एससी–एसटी एक्ट में रिपोर्ट दर्ज की गई है। जांच में सामने आया कि चेतन तिवारी लगातार जान का खतरा बताते हुए पुलिस से सुरक्षा मांगते रहे, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। इसी लापरवाही के बीच घटना हुई। इससे पहले भी दोनों पक्षों में विवाद और हमले की घटनाएं दर्ज थीं। वर्ष २०२३ तक दोनों के बीच दोस्ती थी, बाद में विवाद बढ़ गया।परिजनों का आरोप है कि ६ अप्रैल २०२५ को भी वैभव ने चाकू से हमला किया था, जिसकी शिकायत पुलिस को दी गई थी। इसके बावजूद प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। इधर, सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ है, जिसमें आरोपी वैभव को कोतवाली में अकेले जाते और सरेंडर करते दिखाया गया है। जबकि पुलिस ने पहले सीसीटीवी फुटेज के आध ाार पर गिरफ्तारी का दावा किया था। वीडियो को लेकर पुलिस की कार्रवाई पर सवाल उठ रहे हैं।

फीफा वर्ल्ड कप २०२६ः ओपनिंग सेरेमनी में दिखेगा नोरा फतेही का जलवा

मुम्बई। बॉलीवुड की डांसिंग सेंसेशन और ग्लोबल स्टार नोरा फतेही एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का नाम रोशन करने जा रही हैं। नोरा अब 'फीफा वर्ल्ड कप २०२६' के ओपनिंग सेरेमनी में अपनी परफ मैंस और सिंगिंग का जलवा बिखेरती नजर आएंगी। यह सेरेमनी कनाडा के टोरंटो शहर में आयोजित होगी। नोरा का इस बड़े मंच पर शामिल होना भारतीय

मनोरंजन जगत के लिए गर्व की बात है। 'फीफा वर्ल्ड कप २०२६' की ओपनिंग सेरेमनी १२ जून को टोरंटो के मशहूर बीएमओ फील्ड स्टेडियम में होगी। इस खास मौके पर नोरा फतेही के साथ कई बड़े इंटरनेशनल म्यूजिक स्टार्स भी परफ र्म करेंगे। इस लिस्ट में माइकल बुबले, एलानिस मॉरिसेट, एलेसिया कारा, एलियाना, जेसी रेयेज, संज य, वेगेड्रीम और विलियम प्रिंस जैसे कलाकार शामिल हैं। वहीं अमेरिका में होने वाली ओपनिंग सेरेमनी में अनीता, फ्यूचर, कैटी पेरी, लिसा, रेमा और टायला जैसे बड़े इंटरनेशनल स्टार्स मंच संभालेंगे। इस तरह फीफा वर्ल्ड कप २०२६ संगीत, संसेंति और मनोरंजन का एक बड़ा उत्सव बनने जा रहा है। फीफा की आधिकारिक जानकारी के मुताबिक, कनाडा में होने वाली ओपनिंग सेरेमनी देश की संसेंति और विविधता को दुनिया के सामने पेश करेगी। समारोह की शुरुआत कनाडा की अलग–अलग खूबसूरत जगहों और वहां की परंपराओं को दिखाने वाले खास प्रस्तुतीकरण से होगी। इसके जरिए दुनिया भर से आए लोगों का स्वागत किया जाएगा। आयोजकों का कहना है कि यह समारोह एकता, उत्साह और सांस्कृतिक पहचान का प्रतीक होगा। फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो ने इस समारोह को लेकर कहा, "टोरंटो में होने वाली ओपनिंग सेरेमनी कनाडा की पहचान और फीफा वर्ल्ड कप को लेकर लोगों के उत्साह को पेश करेगी। संगीत, संस्कृति और शानदार परफॉर्मेंस के जरिए पूरी दुनिया का स्वागत किया जाएगा। यह पल कनाडा के लिए गर्व, एकता और उत्साह का प्रतीक होगा, क्योंकि देश पहली बार फुटबॉल के सबसे बड़े मंच पर इतनी बड़ी भूमिका निभा रहा है।" फीफा वर्ल्ड कप २०२६ में कुल १०४ मुकाबले खेले जाएंगे। ये मैच १६ अलग–अलग होस्ट शहरों में आयोजित होंगे। टूर्नामेंट की शुरुआत ११ जून को मेक्सिको सिटी से होगी, जबकि फाइनल मुकाबला १६ जुलाई को न्यूयॉर्क–न्यू जर्सी स्टेडियम में खेला जाएगा।

आलिया भट्ट ने कान्स में बिखेरा जलवा, लैंडस्केप–प्रिंट गाउन में दिखीं 'रॉयल'

मुम्बई। ७९वें कान्स फिल्म फेस्टिवल का आगाज हो चुका है और पिछली बार की तरह इस बार भी अभिनेत्री आलिया भट्ट ने अपने लुक्स से हर किसी का ध्यान खींचा। मंगलवार को अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें पोस्ट करके अपनी फीलिंग बताई। तस्वीरों में अभिनेत्री लैंडस्केप–प्रिंट बॉल गाउन में नजर आ रही हैं, जिसे भारतीय डिजाइनर यश पाटिल ने डिजाइन किया। इसमें एक क्लासिक, रोमांटिक सिल्हूट है, साथ ही एक कोर्सेटेड स्वीटहार्ट बॉडिस और पतली स्पैगेटी स्ट्रैप्स हैं। कपड़े पर चारों ओर फूलों और पत्तियों से प्रेरित बारीक कारीगरी की गई है। हालांकि, आलिया ने अपना लुक बेहद सिंपल और रॉयल रखा। उन्होंने मिनिमल मेकअप किया, जिससे उनका चेहरा साफ और निखरा नजर आ रहा है। आलिया ने अपनी तस्वीरें पोस्ट कर लिखा, "कान्स २०२६। आलिया के पोस्ट करते ही उनके चाहने वालों ने कमेंट की बौछार कर दी। आम यूजर्स से लेकर मनोरंजन जगत के सितारों तक ने कमेंट कर आलिया के लुक की तारीफ की। नेहा धूपिया और रिद्धिमा कपूर साहनी ने हार्ट इमोजी के साथ प्रतिक्रिया दी, तो करण जौहर ने लिखा, "बहुत सुंदर लग रही हो, प्यारी बच्ची। आलिया की मां और अभिनेत्री सोनी राजदान ने लिखा, "बहुत सुंदर लग रही हो, बेटा।" शरवरी और आकांक्षा ने स्टनिंग लिखा। अभिनेत्री आलिया भट्ट ने आगामी फिल्म 'लव एंड वॉर' के लिए संजय लीला भंसाली के साथ हाथ मिलाया है। इस फिल्म में अभिनेत्री के साथ उनके पति–अभिनेता रणबीर

कपूर के अलावा अभिनेता विक्की कौशल नजर आएंगे। माना जा रहा है कि यह बॉलीवुड की क्लासिक फिल्म 'संगम' से प्रेरित है, जिसमें राज कपूर, वैजयंतीमाला और राजेंद्र कुमार ने मुख्य भूमिका निभाई थी। यह फिल्म २१ जनवरी, २०२७ को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसके अलावा, आलिया यशराज फिल्म्स की वुमेन स्पाई थ्रिलर 'अल्फा' में नजर आएंगी। इस फिल्म में अभिनेत्री के साथ शरवरी वाघ मुख्य भूमिका में होगी। इसके अलावा, फिल्म में अनिल कपूर और बॉबी देओल भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

हमारे अन्य प्रतिनिधि
संजय बाजपेई
सीतापुर
मो.9935160370
प्रियंका त्रिपाठी
नई दिल्ली
विधिक सलाहकार
सुरेश नारायण मिश्र
क्षेत्रीय सम्पादक
सौरभ कुमार, बिहार
मो.09386075289
मो० अरशद
ब्यूरो चीफ
मऊ

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय द्वारा सांई आफसेट प्रिन्टर्स, 40 वासुदेव भवन भातखण्डे संगीत महाविद्यालय के पीछे, कैसरबाग लखनऊ से छपवाकर एमआईजी 2/379 रश्मिखंड शारदानगर आशियाना लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
आर.एन.आई
UPHIN/2010/32566

सम्पादक
आरती पाण्डेय
मो.9415087228
9889745884. 9807059191. 9026560178

Email-
adbhutsamachar@yahoo.in
adbhut_samachar@rediffmail.com
सभी विवादों का न्यायक्षेत्र लखनऊ होगा।

समाचार पत्र में छपी समस्त प्रकार की खबरों एवं लेखों का स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय से किसी भी प्रकार का कोई लेना देना नहीं है। समाचार पत्र में छपी खबर एवं लेख पत्रकारों के अपने निजी विचार हैं। समाचार पत्र से जुड़े समस्त पत्रकारों के पद अवैतनिक हैं। और वह सब स्वतंत्र पत्रकार हैं। प्रकाशक/सम्पादक